DAY-7 18-12-2025 – गुरुवार - LEVEL-2 A&B

100 DAYS ACTION PLAN-HINDI HAMARI-HINDI.COM

7	18/12/25 (गुरुवार)	2	ईदगाह सारांश (पुनरावृत्ति)	-

(भाग -III Q.NO.13- 8M

1. ईदगाह कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(या)

बड़े-बुजुर्गों के प्रति आदर, श्रद्धा और स्नेह भावनाओं का महत्व अपने शब्दों में बताइए।

ईदगाह पाठ का सारांश

परिचय : यह प्रश्न " **ईदगाह** " पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम	:	ईदगाह
विधा	:	कहानी
लेखक	:	प्रेमचंद जी
जीवन काल	:	1880-1936
प्रमुख रचनाएँ	:	12 उपन्यास, गोदान, गबन, निर्मला आदि
पुरस्कार	:	उपन्यास सम्राट

सारांश : ★ हामिद 4 - 5 साल का गरीब लड़का था। उसके माँ बाप मर गये थे।

★ दादी अमीना ही उसका पालन पोषण कर रही थी। हामिद अपनी दादी को बहुत प्यार करता था।

★ ईद के दिन हामिद अपने मित्रों से मिलकर ईदगाह जाता है।

★ नमाज पूरी होते ही सब बच्चे मिठाई और खिलौनों की दुकानों पर धावा बोल देते हैं।

★ सब मिठाइयाँ खरीदते थे।

★ लेकिन हामिद ने दादी को तीन पैसों से चिमटा खरीदा। क्योंकि रोटियाँ सेंकते समय दादी की उँगलियाँ जल जाते हैं।

★ चिमटा देखकर अमीना का मन गदगद हो जाता है। वह हामिद को हजारों दुआएँ देती हुई खुशी के आँसू बहाती है।

उपसंहार : बड़े बुजुर्गों के प्रति आदर, श्रद्धा और स्नेह भाव दिखाना बच्चों का कर्तव्य है।